मेरा मास्क आपकी रक्षा करता है,

सभी के लिए मास्क
आपका मास्क मेरी रक्षा करता है

सच कहने की ताकत

जालंधर ब्रीज

साप्ताहिक समाचार पत्र

• JALANDHAR BREEZE • WEEKLY • YEAR-2 • 30 DECEMBER 2020 TO 5 JANUARY 2021 • VOLUME- 23 • PAGES- 4 • RATE- 3/- • www.jalandharbreeze.com • RNI NO.:PUNHIN/2019/77863

Lic No : 933/ALC-4/LA/FN:1184
INNOVATIVE TECHNO INSTITUTE
CONSULTING DESIGN TRAINING
ISO CERTIFIED 2015 COMPANY

STUDY, WORK & SETTLE IN ABROAD
Low Filing Charges &
*Pay money after the visa
IELTS | STUDY ABROAD

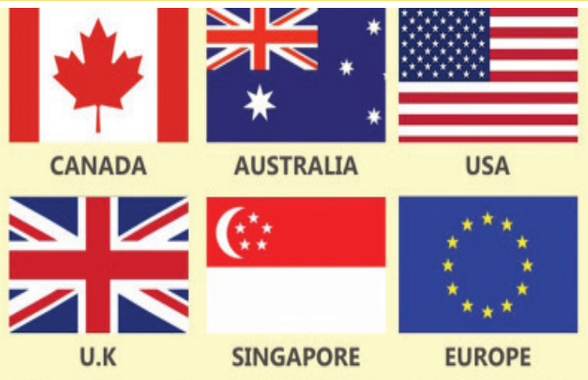

E-mail : ankush@innovativetechin.com • hr@innovativetechin.com • Website : www.innovativetechin.com • FB/Innovativetechin • Contact : 9988115054 • 9317776663
REGIONAL OFFICE : S.C.O No. 10, Gopal Nagar, Near Batra Palace, Jal. • HEAD OFFICE : S.C.O No. 21-22, Kuldip Lal Complex, Highway Plaza, GT Road, Adjoining Lovely Professional University, Phagwara.
*T&C apply

सरकार से बातचीत के मद्देनजर किसानों का ट्रैक्टर मार्च स्थगित

अब 31 दिसंबर को निकलने की संभावना

■ नई दिल्ली/ब्यूरो

केंद्रीय कृषि कानूनों के खिलाफ प्रदर्शन कर रहे किसान संगठनों ने बुधवार को सरकार के साथ होने वाली बातचीत के मद्देनजर अपना प्रस्तावित ट्रैक्टर मार्च बृहस्पतिवार तक स्थगित कर दिया है। किसान संगठनों ने केंद्र सरकार के साथ अगले दौर की बातचीत के लिए सहमति जताई, हालांकि उन्होंने इस बात पर जोर दिया कि तीनों कृषि कानूनों को निरस्त करने के तौर-तरीके पर चर्चा करने को बातचीत के एजेंडे में शामिल किया जाना चाहिए। इससे पहले, 40 किसान संगठनों के समूह 'संयुक्त किसान मोर्चा' ने घोषणा की थी कि 30 दिसंबर को सिंघु बॉर्डर और टिकरी बॉर्डर से कुंडली-मानेसर-पलवल (केएमपी) राजमार्ग तक ट्रैक्टर मार्च निकाला जाएगा।

संयुक्त किसान मोर्चा के वरिष्ठ सदस्य अभिमन्यु कोहाड़ ने बताया, ''सरकार के साथ बातचीत को देखते हुए हमने ट्रैक्टर मार्च टालने का फैसला किया है। अब किसान अपने ट्रैक्टरों के साथ ये मार्च 31 दिसंबर को निकालेंगे।'' उन्होंने कहा कि किसान नेता बुधवार को सरकार के साथ बातचीत करेंगे, ऐसे में किसान संगठनों ने यह मार्च स्थगित करने का फैसला किया। पंजाब, हरियाणा और देश के कुछ अन्य हिस्सों से आए हजारों किसान दिल्ली के निकट सिंघु बॉर्डर, टिकरी बॉर्डर और गाजीपुर बॉर्डर पर पिछले 31 दिनों से प्रदर्शन कर रहे हैं। उनकी मांग है कि तीनों कृषि कानूनों को निरस्त किया जाए और न्यूनतम समर्थन मूल्य (एमएसपी) की कानूनी गारंटी दी जाए। इस साल सितंबर में अमल में आए तीनों कानूनों को केंद्र सरकार ने कृषि क्षेत्र में बड़े सुधार के तौर पर पेश किया है।

उसका कहना है कि इन कानूनों के आने से बिचौलिए की भूमिका खत्म हो जाएगी और किसान अपनी उपज देश में कहीं भी बेच सकेंगे। दूसरी तरफ, प्रदर्शनकारी किसान संगठनों का कहना है कि इन कानूनों से एमएसपी का सुरक्षा कवच खत्म होने का रास्ता खुलेगा और मंडियां भी खत्म हो जाएंगी तथा खेती बड़े कारपोरेट समूहों के हाथ में चली जाएगी।

वायुसेना चीफ ने कहा- LAC पर भारी मात्रा में चीन ने तैनात किए हथियार-मिसाइल और रडार, हम भी हैं तैयार

■ नई दिल्ली/ब्यूरो

भारत और चीन के बीच पिछले आठ महीने से जारी तनातनी के बीच वायुसेना प्रमुख आर.के. एस भदौरिया ने कहा कि बीजिंग ने अपनी आर्मी के लिए भारी तादाद में वास्तविक नियंत्रण रेखा (एलएसी) पर हथियारों की तैनाती कर रखी है। भदौरिया ने कहा कि वहां पर भारी संख्या में रडार्स, जमीन से आसमान और आसमान से आसमान में मार करने वाली मिसाइलों की तैनाती की गई है। उनकी तैनाती मजबूत रही है. हमने सभी आवश्यक कदम उठाए हैं। वायुसेना प्रमुख आरके एस भदौरिया ने कहा कि वास्तविक नियंत्रण रेखा पर चीन ने सेना के एयर स्पोर्ट से लेकर मिसाइलों तक तगड़ा जमावड़ा किया है। लेकिन चिंता की जरूरत नहीं क्योंकि चीनी तैनाती से मुकाबले के लिए भारतीय वायुसेना ने किया हर जरूरी उपाय किए हैं।

पाक बना चीनी नीतियों का मोहरा

वायुसेना प्रमुख ने मंगलवार को कहा कि पाकिस्तान तेजी के साथ पाकिस्तानी नीतियों को मोहरा बन गया है. चीन-पाकिस्तान आर्थिक गलियारे के तहत बढ़ते कर्ज के चलते उसकी भविष्य में सैनिकों पर निर्भरता बढ़ जाएगी। उन्होंने कहा कि अफगानिस्तान से अमेरिका का बाहर निकलना इस क्षेत्र में चीन का अपना दायरा बढ़ा ने का प्रत्यक्ष और पाकिस्तान के जरिए विकल्प दे दिया है। भदौरिया ने कहा कि वैश्विक

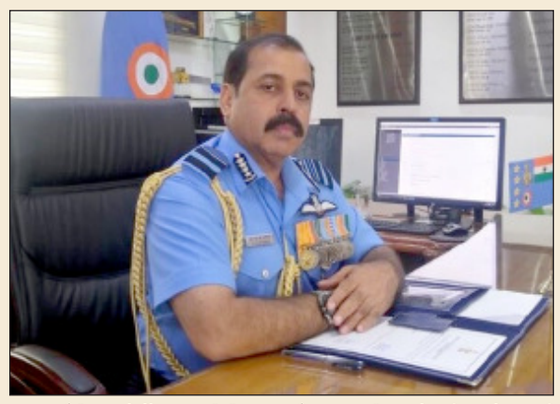

भू-राजनैतिक मोर्चे पर अनिश्चितता और अस्थायित्व ने चीन को बढ़ती शक्ति के प्रदर्शन का मौका दे दिया है। वायुसेना चीफ ने कहा कि भारत और चीन के बीच किसी तरह के संघर्ष वैश्विक मोर्चे पर चीन के लिए अच्छा नहीं होगा। अगर चीन की महत्वाकांक्षा वैश्विक है तो यह उसके बड़ी योजना के लिए बेहतर नहीं है। उत्तर में उसकी कार्रवाई के चीनी मकसद से क्या संभव हो पाएगा? यह महत्वपूर्ण है कि हम उसकी पहचान करें कि उसने आखिर क्या हासिल किया।

यू.पी. को नए फ्रेट कॉरिडोर की सौगात, पीएम मोदी बोले- आजादी के बाद सबसे बड़ा रेल इंफ्रास्ट्रक्चर प्रोजेक्ट

■ नई दिल्ली/ब्यूरो

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के जरिए ईस्टर्न डेडीकेटेड फ्रेट कॉरिडोर (EDFC) के 'न्यू भाऊपुर- न्यू खुर्जा सेक्शन' और प्रयागराज में (EDFC) के परिचालन नियंत्रण केन्द्र (OCC) का उद्घाटन किया। साथ ही न्यू भाऊपुर-न्यू खुर्जा सेक्शन से मालगाड़ी को हरी झंडी दिखाकर रवाना किया। इस अवसर पर प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने कहा कि आज का दिन भारतीय रेल के गौरवशाली अतीत को 21वीं सदी की नई पहचान देने वाला है। भारत और भारतीय रेल का सामर्थ्य बढ़ाने वाला है। आज हम आज़ादी के बाद का सबसे बड़ा और आधुनिक रेल इंफ्रास्ट्रक्चर प्रोजेक्ट धरातल पर उतरता देख रहे हैं। आज जब भारत दुनिया की बड़ी आर्थिक ताकत बनने की दिशा में तेजी से आगे बढ़ रहा है, तब बेहतरीन कनेक्टिविटी देश की प्राथमिकता है।

इसी सोच के साथ बीते 6 साल से भारत में आधुनिक कनेक्टिविटी के हर पहलू पर फोकस के साथ काम किया जा रहा है। पीएम मोदी ने कहा कि आज जब 'न्यू भाऊपुर- न्यू खुर्जा सेक्शन' के फ्रेट कॉरिडोर रूट पर पहली मालगाड़ी दौड़ी तो उसमें नए भारत की, आत्मनिर्भर भारत की गूंज सुनाई दी।

प्रयागराज में ऑपरेशन कंट्रोल सेंटर भी नए भारत के नए सामर्थ्य का प्रतीक है। ये दुनिया के बेहतरीन और आधुनिक कंट्रोल सेंटर में से एक है। शुरू में दो डेडिकेटिड फ्रेट कॉरिडोर तैयार करने की योजना है, पूर्वी डेडिकेटिड फ्रेट कॉरिडोर पंजाब के औद्योगिक शहर लुधियाना को पश्चिम बंगाल के दानकुनी से जोड़ रहा है। पश्चिम डेडिकेटिड फ्रेट कॉरिडोर महाराष्ट्र में जेएनपीटी को उत्तर प्रदेश के दादरी से जोड़ता है।

दिल्लीवासियों से बोले अरविंद केजरीवाल, राजधानी कोरोना के नए स्वरूप से निपटने के लिए तैयार है

■ नई दिल्ली/ब्यूरो

दिल्ली के मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल ने मंगलवार को दिल्लीवासियों को भरोसा दिलाया कि राष्ट्रीय राजधानी कोरोना वायरस के नए प्रकार (स्ट्रेन) से निपटने के लिए तैयार है। केजरीवाल ने ब्रिटेन में सबसे पहले पाए आए कोविड-19 के नए प्रकार से निपटने के लिए तैयार होने संबंधी सवाल का जवाब देते हुए संवाददाताओं से कहा, ''दिल्ली ने कोरोना वायरस की तीन लहरें देखी हैं और तीसरी लहर सबसे खतरनाक रही, जब 85,000 (रोजाना नए मामले) तक मामले सामने आए, लेकिन हम उन पर काबू पाने में सफल रहे। हम इससे निपटने के लिए पूरी तरह तैयार हैं।'' स्वास्थ्य विभाग के आंकड़ों के अनुसार, दिल्ली में सोमवार को कोरोना वायरस संक्रमण के 564 नए मामले सामने आए हैं, जो सात महीने में सबसे कम है (26 मई को 412 नए मामले सामने आए थे) तथा 21 और लोगों की मौत हो गई। शहर में लोगों के संक्रमित पाए जाने की दर 0.98 प्रतिशत है। शहर में संक्रमण के कुल मामले बढ़कर 6,23,415 हो गए और कुल 10,474 लोगों की मौत हो गई। रविवार को 57,463 नमूनों की जांच की गई।

नैशनल हाईवे विभाग एन.एच.नंबर-44

पावर सरप्लस कहलाने वाला बिजली विभाग क्यों नहीं दे पा रहा एन.एच.नंबर 44 पर लगी स्ट्रीट लाइट्स को कनेक्शन

■ जालंधर ब्रीज की विशेष रिपोर्ट

नैशनल हाईवे विभाग द्वारा जालंधर फगवाड़ा मार्ग एन.एच.नंबर 44 पर तीन से चार महीने पहले बिजली के नए पोल्स और लाइट्स लगाई गई थी ताकि लोगों को अपने वाहन चलाने वक्त किसी भी समस्या का सामना न करना पड़े पर जब जालंधर ब्रीज द्वारा नैशनल हाईवे विभाग के अधिकारियों से पूछा गया की इतने महीनों से लाइट्स लगी हुई क्यों नहीं जलाई जा रही है इस पर विभाग द्वारा बताया गया की उन्होंने पंजाब स्टेट पावर कारपोरेशन लिमिटेड विभाग में कनेक्शन के लिए अप्लाई कर रखा है पर अभी तक उन्हें लाइट्स जलाने के लिए अप्रूव्ल नहीं मिली है कुछ दिन पहले डी.सी.पी. नरेश डोगरा द्वारा रेडियो के माध्यम से लोगों को धुंध के मौसम में पार्किंग रिफ्लेक्टर लाइट्स

एन.एच. 44 पर जालंधर रामामंडी से लेकर कालिया कॉलोनी तक बंद पड़ी स्ट्रीट लाइट्स।

जलाकर गाड़ी चलाने के लिए जागरूक भी किया गया। इसी तरह बिजली विभाग को भी इस बढ़ती धुंध और ठण्ड के मौसम में लोगों को लाइट्स की सुविधा जल्द से जल्द दिलवानी चाहिए ताकि कुछ लोगों को कम विजिबिलिटी या अँधेरा होने के कारण हर रोज नैशनल हाईवे के ऊपर हादसे का शिकार होना पड़ता है अगर बिजली विभाग द्वारा नैशनल हाईवे के अधिकारियों के साथ अच्छे से तालमेल करके लाइट्स जलाने के लिए जो रुकावटे आ रही है उन्हें सही नहीं किया गया तब तक क्या पता किस घर का अन्नदाता लाइट्स न होने के कारण हादसे का शिकार होकर हमेशा के लिए उन्हें छोड़ के चला जाये इस बारे जब बिजली विभाग के सुप्रीडेंट इंजीनियर हरजिंदर सिंह से पूछा गया कि जो नैशनल हाईवे विभाग द्वारा लाइट्स जलाने के लिए कनेक्शन अप्लाई किया गया वह कब तक अप्रूव्ड किया जाएगा। उन्होंने बताया इस बारे में उन्हें कोई जानकारी नहीं है। इस बारे आप विभाग के कैंट एरिया के एक्सीइयन से पता कर लीजिए जब उनसे सम्पर्क किया गया पर उन्होंने फोन नहीं उठाया अब देखने होगा की बिजली विभाग जो अपने आप को पावर सरप्लस का दर्जा देता है कब जालंधर के लोगों को हाईवे पर लगी स्ट्रीट लाइट्स की सुविधा दे पायेगा।

दखल

कोरोना पर जल्द मिलेगी जीत

अफसोस की बात है कि हम आजादी के बाद वैज्ञानिक चेतना के नारे तो दीवारों पर लिखते रहे हैं, लेकिन समाज में वैज्ञानिक चेतना दूर-दूर तक दिखाई नहीं देती। शर्तिया लड़का होने की दवा धड़ल्ले से बिकती है। पुराने ज्ञान आयुर्वेदिक प्रणाली आदि को नए वैज्ञानिक ढंग से दुनिया भर के सामने आजमाने और प्रस्तुत करने की जरूरत है और साथ ही नई वैज्ञानिक खोजों को भी तुरंत आत्मसात करने की।

विज्ञान और वैज्ञानिक सोच समझ के चलते दुनिया भर में यह यकीन लौट रहा है कि कोरोना विषाणु पर जल्दी जीत मिलेगी। पहली बार दुनिया का कोई देश इस महामारी से अछूता नहीं रहा और यह भी पहली बार हो रहा है कि लोगों की आस्था चर्च, मंदिर, मस्जिद या दुनिया भर के धर्म द्वीपों से हटकर विज्ञान और उसकी प्रयोगशालाओं की तरफ लौटी है। इसका असर शिक्षा व्यवस्था और विशेषकर विज्ञान की शिक्षा पर पढ़ना लाजिमी है। निश्चित रूप से आर्थिक-सामाजिक व्यवस्थाओं में भी बदलाव आएगा, लेकिन इन सब बदलावों की बुनियाद में रहेगी शिक्षा और उसका चरित्र। इसी शिक्षा के बूते नौजवान पीढ़ी को रोजगार मिलेगा और उसी के बूते देश का विकास। मनुष्य के इतिहास ने इसे बार-बार सिद्ध किया है। यूरोप के पुनर्जागरण को याद करें। लगभग पांच सौ वर्ष पहले इसी वैज्ञानिक सोच तर्कशक्ति का अंजाम था भौतिकी, रसायन से लेकर डार्विन के विकासवाद तक के सिद्धांत।

पोप और उनके धर्मावलंबियों को चर्च तक सीमित कर दिया गया था और कोलंबस, वास्को डि गामा, कप्तान कुक विज्ञान के रथ पर बैठ कर निकल पड़े थे दुनिया को जीतने के लिए। भारत की खोज भी यूरोपियों के लिए उसी अभियान का हिस्सा थी और वैसे ही अमेरिका और ऑस्ट्रेलिया के द्वीपों की। लेकिन विज्ञान सफल तभी होगा, जब स्कूल, कॉलेज और विश्वविद्यालयों में पढ़ने वाली पीढ़ी उसे समझेगी और आगे बढ़ाएगी। कैंब्रिज, ऑक्सफोर्ड और दूसरे विश्वविद्यालय इन्हीं खोजों, शोध और सिद्धांत के लिए दुनियाभर में मशहूर हुए। जिसे कुछ उपनिवेशवाद कहते हैं, वह उन देशों के लिए नए रोजगार नए साम्राज्य की तलाश थी। भारत, चीन जैसे देशों की सभ्यता हजारों साल पुरानी जरूर थी, लेकिन वे विज्ञान के आगे कहीं नहीं टिक पाए। उन्हें गुलाम होना पड़ा और इस गुलामी से मुक्ति मिली दूसरे विश्व युद्ध के बाद। पहले और दूसरे विश्व युद्ध ने भी विज्ञान की पताका फहराई। बड़े-बड़े रासायनिक उद्योग, ऑटोमोबाइल उद्योग, हवाई जहाज, परमाणु बम से लेकर पेनिसिलिन और दूसरी दवाएं। यानी जितनी बड़ी घटना होगी, होमो सेपियंस की जिजीविषा बताती है, उतने ही बड़े बदलाव होंगे।

कोरोना विषाणु की महामारी को तो मनुष्य जाति के ज्ञात इतिहास की सबसे बड़ी परिघटना माना जा रहा है। भारत में लॉकडाउन और दूसरे कदम तुरंत उठाते हुए अभी तक अद्वितीय सूझबूझ का परिचय दिया है। अंजाम भी सामने है। दुनिया की 22 फीसद आबादी वाले देश में महामारी का प्रकोप दो फीसद से भी कम है। लेकिन यही वक्त है उत्तर कोरोना काल के लिए तुरंत तैयार रहने का। इसमें जो जीता वाही सिकंदर! दुनिया भर के वैज्ञानिक अभी भी ऐसी संभावनाओं से घिरे हुए हैं कि जब तक इस विषाणु की कोई मुकम्मल काट नहीं खोज ली जाती और दुनिया भर में यदि एक भी व्यक्ति उससे संक्रमित रहता है, तो इसकी वापसी फिर वैसा ही कहर ढहा सकती है। हम सबने देश के लाखों मजदूरों को हाल में सड़कों पर रोते बिलखते देखा है और यह तबका ऐसे ही निर्वासन में आधा पेट काटने को मजबूर है। पूरी व्यवस्था के लिए शर्मनाक है। पर अच्छी बात यह है कि देश के डॉक्टर, नर्स और पुलिस कर्मी जान की परवाह न करते हुए इस महामारी के मुकाबले के लिए अग्रिम मोर्चे पर तैनात हैं।

लेकिन भविष्य तो शिक्षा में बुनियादी बदलाव से ही संभव है। शिक्षा के बुनियादी बदलाव में विज्ञान की वैसे ही वापसी करनी होगी जैसे 1957 में शीत युद्ध के दौर में रूस के अंतरिक्ष विज्ञान में आगे बढ़ने की भनक ने अमेरिका की विज्ञान नीति को सदा के लिए बदल डाला था। या पिछले दो दशक में चीन ने विज्ञान और तकनीकी के बूते युद्ध, शोध, शिक्षा, रोजगार और यहां तक कि राजनय संस्कृति तक के समीकरण बदल दिए हैं। कोरोना विषाणु चीन से शुरू जरूर हुआ है, लेकिन विज्ञान के बूते ही चीन पर उतना असर नहीं हुआ जितना सारी दुनिया पर। यहां तक कि उत्तर कोरोना काल में चीन अपने विज्ञान और शिक्षा के बूते और बेहतर ढंग से दुनिया पर कब्जे की तरफ अग्रसर है। पुरानी कहावत का सहारा लें तो लोहा ही लोहे को काट सकता है, यानी 21वीं सदी में विज्ञान और तकनीकी की चुनौतियों को विज्ञान और तकनीकी से ही परास्त करने की जरूरत है, न कि धर्म के काढ़े से। यह अटकलबाजी जरूर चल रही है कि दुनियाभर की बहुराष्ट्रीय कंपनियां चीन का विकल्प भारत में खोज रही हैं। पर यह हकीकत से दूर की कौड़ी है। क्या हमारे पास ज्ञान-विज्ञान में चीन की टक्कर की पढ़ी-लिखी पीढ़ी है?

हम भले ही दुनिया की सबसे नौजवान आबादी पर फक्र करते रहें, उस आबादी के बारे में हाल में एक प्रसिद्ध वैश्विक एजेंसी ने दावा किया है कि उसके पास दर्ज स्नातकों में से 60 फीसद किसी काम के नहीं हैं। उनके पास न तकनीकी कौशल है, न दूसरे सामान्य ज्ञान की समझ। सिर्फ डिग्री बांट कर चीन का मुकाबला नहीं कर सकते। बहुराष्ट्रीय कंपनियों के लिए श्रम सस्ता जरूर है, लेकिन गुणवत्ता यदि नहीं मिली तो वे फिर चीन की तरफ ही लौटेंगे। मौजूदा वक्त को चौथी क्रांति कहा जाता है यानी इंटरनेट और दूसरे माध्यमों से ज्ञान की असीमित उपलब्धता। पहली तीन क्रांतियों में भारत कई कारणों से फिसड्डी साबित हुआ है। लेकिन मौजूदा कोरोना ने पढ़े-लिखे लोगों से लेकर गांव-देहात तक प्लाज्मा, न्यूमोनिया, बैक्टीरिया और वैक्सीन, एंटीबॉडीज, मास्क, आरोग्य सेतु जैसे वैज्ञानिक शब्दों को पहुंचा दिया है। यानी विज्ञान की बुनियादी बातें जैसे- साफ-सफाई, बीमारियों के कारण, शारीरिक दूरी, स्वावलंबन आदि रोजाना मीडिया के जरिए जन-जन तक पहुंच रही हैं। इन सब बातों को तुरंत पाठ्यक्रम और दूसरे मंचों के जरिए नई पीढ़ी के दिमाग में एक सहज तर्क से डालने की जरूरत है। मौजूदा पाठ्यक्रम रटने से शिक्षा का सड़ा हुआ चौखटा नहीं टूटने वाला। ऑनलाइन शिक्षा में भी बचना होगा और इसके लिए शिक्षकों के दिमाग और समाज को भी बदलने की जरूरत है।

अफसोस की बात है कि हम आजादी के बाद वैज्ञानिक चेतना के नारे तो दीवारों पर लिखते रहे हैं, लेकिन समाज में वैज्ञानिक चेतना दूर-दूर तक दिखाई नहीं देती। शर्तिया लड़का होने की दवा धड़ल्ले से बिकती है। पुराने ज्ञान आयुर्वेदिक प्रणाली आदि को नए वैज्ञानिक ढंग से दुनिया भर के सामने आजमाने और प्रस्तुत करने की जरूरत है और साथ ही नई वैज्ञानिक खोजों को भी तुरंत आत्मसात करने की। रोजगार भी उन्हीं को मिलेगा जो ऐसी वैज्ञानिक शिक्षा से सुसज्जित हों। अब विज्ञान पढ़ाने का पूरा ढंग बदलना होगा। आजादी के पहले भी विज्ञान और शोध की स्थिति ब्रिटिश दौर में कहीं बेहतर थी। सीवी रमन, प्रफुल्ल चंद्र रे, जगदीश चंद्र बसु, मेघनाथ साहा, सत्येंद्रनाथ बोस की गिनती दुनिया के वैज्ञानिकों में तब भी होती थी और आज भी। आजादी के बाद हर बीते दशक में विज्ञान और शोध में हम पिछड़े हैं। जो भी कुछ मूल शोध हो पाया है, वह तभी जब इस देश के मेधावी वैज्ञानिक दूसरे देशों में बस गए हैं। इसीलिए कुछ दिनों पहले 2009 के नोबेल विजेता वेंकट रामकृष्णन ने भारत में वैज्ञानिक शोध की स्थितियों को मजाक उड़ाते हुए इसे सर्कस का नाम दिया था। हकीकत यही है कि ज्ञान-विज्ञान के जरिए ही न सिर्फ भारत, बल्कि पूरी दुनिया संकटों से मुक्ति पा सकती है।

विचार

नीतीश फिर बने रोल मॉडल

समाजवादियों का उत्तराधिकारी बताने वाले मुख्यमंत्री नीतीश परिवारवाद में तो नहीं फंसे, मगर जातिगत राजनीतिक का सूत्रपात कर बैठे। नीतीश ने रामचंद्र प्रसाद सिंह को राजनीतिक विरासत सौंप दी। यह कदम राजनीति में परिवारवाद को आईना है।

समाजवादियों का उत्तराधिकारी बताने वाले बिहार के मुख्यमंत्री नीतीश कुमार परिवारवाद में तो नहीं फंसे, मगर जातिवादी राजनीतिक का सूत्रपात कर बैठे। रविवार को जदयू की राष्ट्रीय कार्यकारिणी की बैठक में उन्होंने वरिष्ठ नेताओं को दरकिनार करते हुए स्वजातीय व राजनीति में कम अनुभव रखनेवाले आरसीपी सिंह (रामचंद्र प्रसाद सिंह) को राजनीतिक विरासत सौंप दी। नीतीश समाजवादी नेता मुलायम सिंह, लालू प्रसाद, रामविलास पासवान व बीजू पटनायक की परिवारवाद की राजनीति का विरोध करते रहे। अब उन्होंने पार्टी के समर्पित वरिष्ठ समाजवादी नेता वशिष्ठ नारायण सिंह और केसी त्यागी को दरकिनार करते हुए आरसीपी को पार्टी की कमान सौंपी है। नीतीश खुद को समाजवादी नेता राम मनोहर लोहिया और कर्पूरी ठाकुर की तरह वंशवाद और जातिवाद का विरोधी बताते रहे हैं। उन्होंने देश के समाजवादियों की लौ जगाने के लिए राजस्थान के बांसवाड़ा में मामा बालेश्वर दास के कार्यक्षेत्र में लोगों को जोड़ने का काम किया।

नीतीश ने जदयू के लिए अपने उत्तराधिकारी की घोषणा तो कर दी है, मगर इसी के साथ समाजवाद के दामन पर जातिवाद के दाग भी गहरे कर दिए। अरसे से ये सवाल तैर रहा था कि नीतीश कुमार के बाद जदयू का नेतृत्व कौन संभालेगा। यह दलील भी दी जी रही थी कि नीतीश परिवारवाद के विरोधी हैं और वह बेटे निशांत को राजनीतिक विरासत नहीं सौंपेंगे। नीतीश की छवि को मजबूत करने में इस दलील की बड़ी भूमिका रही है। लेकिन क्या ये सच है कि नीतीश कुमार अपने बेटे निशांत को राजनीतिक विरासत सिर्फ इसलिए सौंपना नहीं चाहते हैं कि इससे परिवारवाद बढ़ेगा। कहा जाता है कि नीतीश के बेटे का झुकाव आध्यात्म की तरफ है। स्वास्थ्य कारणों से भी वह राजनीति के लिए खुद को फिट नहीं मानते। निशांत को नीतीश कुमार की राजनीतिक विरासत संभालने की पहल भी की गई। गांववालों की मानें तो अगर निशांत आध्यात्म के साथ सांसारिक जीवन से ठीकठाक तालमेल बनाते तो संभव था कि उन्हें ही नीतीश की राजनीतिक विरासत संभालने का मौका मिलता। अब आरसीपी सिंह नीतीश की विरासत संभालेंगे।

दरअसल, बिहार की राजनीति में जातीय समीकरण को मजबूत करने के लिए सोशल इंजीनियरिंग शब्द का इस्तेमाल पहली बार नीतीश ने ही किया। अंग्रेजी में बोले गए इस शब्द के जरिए जातिवाद को और गहरा किया गया और जातीय समीकरण साधकर नीतीश ने खुद को मजबूत बनाए रखा। नीतीश खुद कुर्मी जाति से आते हैं। कुर्मी जाति की आबादी भले ही कम है लेकिन पटना और उसके आसपास के जिलों में कुर्मी बेहद प्रभावशाली हैं। कहीं तो बेहद दबंग भी। 1977 में बिहार का पहला नरसंहार पटना से सटे में बेलछी में हुआ था। हालांकि, जब बारी राजनीतिक विरासत सौंपने की आई तो नीतीश कुमार ने स्वजातीय आरसीपी सिंह को आगे किया।

प्राकृतिक व्यवस्था से खिलवाड़

हमारे देश में होने वाली पारंपरिक खेती में मिट्टी की उर्वरता बनाए रखने पर खास ध्यान दिया जाता रहा है। लेकिन 50 सालों में जिस तरह हमने प्राकृतिक व्यवस्था को तहस-नहस कर उत्पाद आधारित खेती व्यवस्था को अपनाया है, खेती में अधिक से अधिक पैदावार के लिए रासायनिक खाद व कीटनाशकों का अंधाधुंध इस्तेमाल शुरू किया है, उससे मिट्टी की उर्वरता क्षीण हो गई है।

देश के कई इलाकों में खेतों की मिट्टी अपनी ताकत खोती जा रही है। यह पर्यावरण के साथ हमारी खेती और सेहत के लिए बड़े खतरे की घंटी है। इससे खेती का रकबा घटकर बंजर जमीन का इलाका बढ़ने की आशंका तक जताई जा रही है। वहीं हमारी सेहत पर भी इसका बुरा असर पड़ रहा है। इससे भी बड़ी चिंता यह है कि इस महत्वपूर्ण विषय पर कहीं कोई बात नहीं हो रही है। न तो सरकारें और न ही समाज इसे लेकर चिंतित है। दरअसल, खेतों की मिट्टी सैकड़ों सालों से उर्वरा शक्ति को बनाए हुए हमारे लिए अन्न और अन्य तरह के खाद्य पदार्थ उपजाती रही है। साल दर साल किसान अपने परंपरागत ज्ञान के आधार पर खेती की जमीन को पोषक तत्वों से युक्त बनाए रखते रहे हैं। इसके लिए वे प्राकृतिक खाद, फसल चक्र आदि कई पारंपरिक और प्राकृतिक तौर-तरीकों से खेतों की मिट्टी को सहेजते थे।

विशेषज्ञ भी मानते हैं कि मिट्टी में 12 तरह के पोषक तत्व होते हैं जो कि मिट्टी में पैदा होने वाले खाद्य पदार्थों में भी पहुंचते हैं और इनका उपयोग करने वाले व्यक्ति को सेहतमंद बनाए रखते हैं। हमारे देश में होने वाली पारंपरिक खेती में मिट्टी की ताकत बनाए रखने पर खास ध्यान दिया जाता रहा है। लेकिन 50 सालों में जिस तरह हमने प्राकृतिक व्यवस्था को तहस-नहस कर उत्पाद आधारित खेती व्यवस्था को अपना लिया है, खेती में अधिक से अधिक पैदावार के लिए अब रासायनिक खाद और कीटनाशकों का अंधाधुंध इस्तेमाल शुरू कर दिया है, उससे खेतों की मिट्टी की ताकत क्षीण हो गई है। सरकार का कृषि व किसान कल्याण मंत्रालय देश में मिट्टी की जांच कर किसानों को बता रहे हैं कि उनके खेतों की मिट्टी की सेहत कैसी है। मिट्टी की सेहत खराब होने से फसलें तो प्रभावित होती ही हैं, उनमें पर्याप्त पोषक तत्वों का संतुलन भी बिगड़ जाता है। इसके लिए खेतों की मिट्टी के नमूने की जांच कर संबंधित किसान को उसके खेत की जमीन की रिपोर्ट भी सौंपी जा रही है।

देश के अलग-अलग हिस्सों में मिट्टी की जांच में चौंकाने वाले आंकड़े सामने आए हैं। इसमें हुए खुलासे से पता चला है कि खेतों की मिट्टी में मौजूद 12 तत्वों में से अधिकांश तत्व या तो बहुत कम हैं या फिर बहुत ज्यादा हैं। यहां तक कि इनमें से छह तत्व पूरी तरह असंतुलित हैं। ऐसी मिट्टी में उपजे खाद्य पदार्थ खाने से लोगों में कुपोषण और कई तरह की बीमारियां घर कर रही हैं। मिट्टी के असंतुलित पोषक तत्वों में नाइट्रोजन, फास्फोरस, पोटेशियम, सल्फर और जिंक शामिल हैं। जाहिर है, इन जरूरी पोषक तत्वों की कमी से ही कुपोषण और खतरनाक बीमारियां तेजी से पैर पसार रही हैं। शरीर को जिस तरह पोषक तत्वों की जरूरत होती है, ठीक उसी तरह एक पौधे और फसल के लिए भी मिट्टी में तमाम तरह के तत्वों की जरूरत होती है। इन दिनों शरीर के लिए जरूरी अनाज, सब्जियों में पोषक तत्त्वों की कमी मिट्टी में आई पोषक तत्वों की कमी का नतीजा है।

मिट्टी में जिंक की कमी से अनाज में भी इसकी कमी पाई जाती है। शरीर में जिंक की कमी के कारण रोग प्रतिरोधात्मक क्षमता घटती है। इससे निमोनिया, जुकाम, सांस संबंधी समस्याएं हो जाती हैं। सल्फर की कमी के कारण शरीर में नाखून और बालों की परेशानियां होने लगती है। आयरन की कमी से खून की कमी होती है। शरीर में बीस प्रतिशत आयरन की मात्रा जरूरी है। खून का प्रमुख घटक लाल रक्त कणिकाएं तैयार करने में आयरन की अहम भूमिका होती है। आयरन की कमी के चलते एनिमिया हो जाता है। गर्भवती महिलाओं में एनिमिया होने से कुपोषित बच्चे जन्म लेते हैं और जन्म के बाद भी दूध में पर्याप्त पोषकता नहीं रहती है। नाइट्रोजन की कमी या फिर अधिकता यानी प्रोटीन की कमी या अधिकता होती है। प्रोटीन से शरीर की कोशिकाएं तैयार होती है। प्रोटीन शुगर को नियंत्रित करने का भी काम करता है। अधिकांश खेतों में फास्फोरस की कमी पाई गई है। फास्फोरस की कमी के चलते हड्डियों की बीमारियां होने लगती है। इससे घुटने, कमर और हड्डियों से सबंधित बीमारियां होती हैं। कई जगह पोटेशियम की मात्रा में भी असंतुलन पाया गया। इसके असंतुलन से दिमागी रोग होते हैं।

मिट्टी में सभी जरूरी तत्वों का अपना-अपना काम होता है। बीजों के अंकुरण से लगा कर उनके विकास और खाद्यान्न का पोषक होना इन्हीं तत्वों पर निर्भर करता है। मिट्टी के पर्याप्त तत्वों वाले अनाज को खाने से ही हमारे शरीर में भी पोषण मिलता है। ज्यादातर बीमारियां इसीलिए हो रही हैं कि रासायनिक खाद, कीटनाशक और फसल चक्र बिगड़ने से जमीन की उर्वरता यानी मिट्टी में मौजूद पोषक तत्व खत्म हो रहे हैं। देश के ठेठ आदिवासी और जंगल से सटे इलाके में भी मिट्टी में घटते पोषक तत्वों की वजह से इस इलाके में होने वाले अनाज और सब्जियों में भी पोषक तत्वों की भारी कमी हो रही है। हैरानी की बात यह है कि अरबों-खरबों रुपए लगा कर केंद्र सरकार मृदा स्वास्थ्य कार्ड तैयार करवा कर मिट्टी की सेहत की जांच तो करवा रही है, लेकिन जांच में मिट्टी के कमजोर मिलने पर संबंधित किसानों को मिट्टी की सेहत सुधारने फिर से रासायनिक खाद डालने की सलाह दी जा रही है जो बेहद खतरनाक साबित हो सकती है। मिट्टी परीक्षण प्रयोगशाला में अब तक कई जिलों के कुल एक लाख 43 हजार खसरों (जमीन खाते) के 28 हजार मृदा स्वास्थ्य कार्ड तैयार किए जा चुके हैं। यहां के अधिकांश खेतों की मिट्टी में पोषक तत्वों का भारी असंतुलन देखने को मिला।

बड़ी संख्या में लोग आज भी इन्हीं खेतों का अनाज खा रहे हैं। ज्यादातर औरतों में एनिमिया यानी खून की कमी है। नौजवानों को मधुमेह और रक्तचाप जैसी बीमारियां हैं। खेतों की मिट्टी में जरूरी तत्वों का बेहद असंतुलन है। इन्हें संतुलित करने के लिए रासायनिक खाद डालने की सलाह तक दी जाती है। इसके साथ जैविक खाद को मिलाने की सलाह भी देते हैं। जो लोग पूरी तरह जैविक खाद के इच्छुक होते हैं उन्हें वैसी सलाह देते हैं लेकिन ऐसे लोग कम ही मिलते हैं। सभी प्रयोगशाला वाले रासायनिक खाद की सलाह ही देते हैं। इस सबमें बुरी बात यह है कि हर किसान रासायनिक खाद के दुष्परिणामों को जानने और समझने के बाद भी इन उर्वरकों का लगातार उपयोग अपने खेतों में कर रहा है। इससे मिट्टी कमजोर से कमजोर होती जा रही है और उत्पादन भी कम होता जा रहा है।

किसानों के पास उर्वरकों के विकल्प नहीं हैं। जैविक खाद और जैविक खेती के लिए लगातार किए जा रहे प्रयासों के बावजूद अब तक अधिकांश किसान अब भी इससे गुरेज करते नजर आते हैं। न तो किसानों को इस बारे में यथोचित जानकारी है और न ही अब तक सरकार ने भी इसके लिए कोई ठोस कदम उठाए हैं। लेकिन अब इस ओर ध्यान देना बेहद जरूरी हो गया है। सरकार जब किसानों की आय दोगुनी करने के प्रयास में जुटी है, तब देश के खेतों की मिट्टी की गुणवत्ता खराब निकलेगी, तो प्रयास बेअसर हो जाएंगे और लोगों का स्वास्थ्य खराब होगा, सो अलग। लिहाजा मिट्टी की गुणवत्ता बनाए रखने के प्रयास पर जोर हो।

ट्विटर

नीतीश कुमार ने एक बार फिर देश की परिवारवाद को बढ़ावा देने वाली राजनीति को दिशा दी है। कुछ पार्टियां हैं जो सिर्फ परिवार को ही महत्व देने में लगी हैं।

केसी त्यागी, जदयू नेता

नीतीश का फैसला उनका अंदरूनी है। मगर इस फैसले के बहाने वे जो दिशा दिखाना चाह रहे हैं, उस पर सभी को अमल करना होगा। इस लिहाज से फैसला उम्दा है।

संबित पात्रा, भाजपा प्रवक्ता

सत्यार्थ

योग्यता की पहचान

किसी कंपनी को एक योग्य व्यक्ति की तलाश थी। इसके लिए उसने अखबारों में विज्ञापन दिया। पचास लोग साक्षात्कार देने आए। साक्षात्कार लेने खुद कंपनी का मालिक अपने एक मित्र के साथ बैठा। साक्षात्कार के बाद उस पद के लिए एक ऐसे व्यक्ति का चयन कंपनी के मालिक ने किया, जो कि दिखने में बिलकुल ही सामान्य था। उसके पास कोई अतिरिक्त योग्यता भी नहीं थी। मित्र ने पूछा- साक्षात्कार के लिए यहां बड़ी-बड़ी डिग्रियां और सिफारिशें लेकर लोग आए। तुमने सबको खारिज कर दिया, पर तुमने एक ऐसे व्यक्ति को ही क्यों चुना, जिसके पास न तो खास योग्यता है और न ही वह कोई सिफारिशी खत लाया था। इस पर मालिक ने कहा- तुम गलत समझ रहे हो। कई बातों ने उस की खूब सिफारिश की है। जब वह साक्षात्कार देने आया तो उसने डोरमैट पर अपने जूते रगड़े, फिर कमरे में दाखिल हुआ। उसने दरवाजा धीमे-से बंद किया। इससे पता चला कि वह कितना सलीकेदार है। वह साक्षात्कार देने आए एक विकलांग प्रत्याशी के लिए फौरन अपनी सीट छोड़कर उठ खड़ा हुआ। जाहिर है, वह दूसरों का खयाल रखने वाला है। फर्श पर पड़ी हुई पुस्तक को उसने उठाकर मेरी मेज पर रखा, जबकि दूसरे लोग इसके प्रति लापरवाह बने रहे। मैंने देखा कि उसके कपड़े साफ-सुथरे थे व दांत दूध की तरह सफेद और चमकीले थे। उसकी ये आदतें हजारों सिफारिशी खतों पर भारी हैं। मैं दस मिनट किसी को ठीक से देखकर उसका चरित्र पहचान सकता हूं। कोई भी सिफारिशी खत उसके विषय में इतना स्पष्ट नहीं कर सकता। मनुष्य की श्रेष्ठता उसके व्यवहार से अपने आप प्रकट होती रहती है। वाकई हमारी आदतें ही हमारी श्रेष्ठता को स्पष्ट करती हैं।

न्यूज

माता वैष्णो देवी मंदिर के पास बर्फबारी

जम्मू, (एजेंसी)। जम्मू क्षेत्र के रिआसी जिले के त्रिकूट पहाड़ पर स्थित माता वैष्णो देवी मंदिर में रविवार को देर रात्रि मौसम की पहली बर्फबारी हुई। इससे श्रद्धालुओं के दर्शन पर कोई असर नहीं पड़ा। केन्द्र शासित प्रदेश की ऊंचाई वाली जगहों पर बर्फबारी हुई है, वहीं मैदानी इलाकों और जम्मू शहर में बारिश हुई और काले घने बादल छाए रहे। भवन सहित पूरे त्रिकूट पहाड़ पर शाम करीब 5.30 बजे से बर्फबारी शुरू हुई और आधे घंटे तक जारी रही।

जम्मू में दो हथगोलों के साथ एक गिरफ्तार

जम्मू, (एजेंसी)। जम्मू पुलिस ने नरवाल इलाके में एक व्यक्ति को दो हथगोलों के साथ गिरफ्तार कर बड़े हमले की घटना को टाल दिया। जम्मू के आईजी मुकेश सिंह ने बताया कि रविवार रात पुलिस टीम एनएच बाइपास पर नाका लगाकर वाहनों की जांच कर रही थी। साढ़े सात बजे एक व्यक्ति संदिग्ध परिस्थितियों में घूम रहा था जिसने नाके पर पुलिसकर्मियों को देखते ही भागने का प्रयास किया लेकिन बाद में उसे पकड़ लिया गया।

आध्यात्मिक नेता दीवान बागी पीर का निधन

ढाका, (एजेंसी)। दीवानबागी दरबार शरीफ पीर के संस्थापक मालिक सैयद महबूब-ए-खोदा का सोमवार को निधन हो गया। दीवानबागी पीर के नाम से प्रख्यात महबूब-ए-खोदा (80) को सोमवार को सांस लेने में परेशानी के बाद स्क्वायर अस्पताल ले जाया गया, जहां सुबह 05.30 बजे उनका निधन हो गया। उनके निधन की खबर सुन कर अरंबाग के दीवानबाग शरीफ पर श्रद्धालुजन एकत्रित हो गए और शोक प्रकट किया।

सीएम केसीआर की गोद ली बेटी प्रत्युषा ने की शादी

हैदराबाद, (एजेंसी)। तेलंगाना के सीएम के चंद्रशेखर राव की गोद ली हुई बेटी सी प्रत्युषा ने 24 साल की उम्र में शादी कर ली है। अब से करीब पांच साल पहले सी प्रत्युषा को मुख्यमंत्री ने उस वक्त गोद लिया था जब उन्हें काफी भयानक हालात में उनके घर से आजाद कराया गया था। सोमवार को रंगा रेड्डी जिले में स्थित लॉर्डे माथा चर्च में प्रत्युषा की शादी चरण रेड्डी से हुई। प्रत्युषा पेशे से नर्स हैं और उनके पति सॉफ्टवेयर इंजीनियर है।

नौकरी का डर,19वीं मंजिल से कूदकर दी जान

कानपुर, (एजेंसी)। शहर में नौकरी जाने के डर से परेशान होकर एक बड़े कारोबारी के ड्राइवर ने एमराल्ड अपार्टमेंट की उन्नीसवीं मंजिल से कूदकर जान दे दी। दो दिन पहले ही कारोबारी ने नया ड्राइवर रखने के लिए स्थानीय अखबार में विज्ञापन दिया था। वो इसी बात से परेशान था। पुलिस मामले की जांच की बात कह रही है। ड्राइवर के शव को पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया गया है। घटना शहर के सबसे बड़े एमराल्ड अपार्टमेंट की है। वहां स्टील व्यापारी कपिल मोहन विज अपनी पत्नी के साथ रहते हैं। मृतक संजय उनकी पत्नी का ड्राइवर था।

**सतर्क रहे! सुरक्षित रहे!
कोरोना वायरस से
सावधान रहे
क्योंकि सावधानी
ही बचाव हैं।
कोरोना को धोना हैं।**

वित्त मंत्रालय ने जीएसटी राजस्व भरपाई को जारी की 6000 करोड़ की नौवीं किस्त

नई दिल्ली, (एजेंसी)। वित्त मंत्रालय ने राज्यों के वस्तु एवं सेवा कर (जीएसटी) राजस्व में संभावित कमी की भरपाई के लिए सोमवार को छह हजार करोड़ रुपए की नौवीं साप्ताहिक किस्त जारी की। इस तरह अब तक राज्यों/ संघ शासित प्रदेशों को इस माध्यम से 54,000 करोड़ रुपये जारी किए जा चुके हैं। वित्त मंत्रालय ने एक बयान में यह जानकारी दी। उल्लेखनीय है कि केंद्र ने जीएसटी के क्रियान्वयन की वजह से राज्यों के राजस्व में चालू वित्तवर्ष के दौरान अनुमानित 1.10 लाख करोड़ रुपये की भरपाई के लिए अक्तूबर में विशेष ऋण सुविधा शुरू की थी। मंत्रालय ने कहा, 'इसमें से 5,516.60 करोड़ रुपये 23 राज्यों को जारी किए गए हैं। इसके अलावा तीन संघ शासित प्रदेशों दिल्ली, जम्मू-कश्मीर और पुडुचेरी को 483.40 करोड़ रुपये जारी किए गए हैं।' केंद्र ने कहा कि इस सप्ताह कर्ज 5.15 प्रतिशत के ब्याज पर लिया गया गया। अब तक केंद्र सरकार इस सुविधा के तहत औसतन 4.74 प्रतिशत के ब्याज पर 54,000 करोड़ रुपये का कर्ज ले चुकी है। शेष पांच राज्यों अरुणाचल प्रदेश, मणिपुर, मिजोरम, नगालैंड और सिक्किम में जीएसटी लागू करने से उनके राजस्व में कोई गिरावट नहीं आई। अब तक केंद्र द्वारा राज्यों को 23 अक्तूबर, दो नवंबर, नौ नवंबर, 23 नवंबर, एक दिसंबर, सात दिसंबर, 14 दिसंबर, 21 दिसंबर और 28 दिसंबर को किस्त जारी की गई है।

कर्नाटक में एक जनवरी से खुलेंगे स्कूल

बेंगलुरु, (एजेंसी)। कर्नाटक के मुख्यमंत्री बी एस येदियुरप्पा ने सोमवार को स्पष्ट किया कि एक जनवरी से स्कूलों को फिर से खोलने के निर्णय में कोई बदलाव नहीं किया गया है। श्री येदियुरप्पा ने यहां मीडियाकर्मियों से कहा कि सरकार ने पहले ही एसएसएलसी और दूसरे पीयूसी के स्कूलों को फिर से खोलने की घोषणा कर दी है। उन्होंने कहा कि सरकार के निर्णय में कोई बदलाव नहीं किया गया है तथा अभिभावकों को भी इस संबंध में किसी प्रकार का भ्रम नहीं होना चाहिए। उन्होंने कहा कि इस पर आज होने वाली मंत्रिमंडल की बैठक में भी चर्चा की जाएगी।मुख्यमंत्री ने यह भी स्पष्ट किया कि ब्रिटेन से लौटने वालों तथा कोरोना वायरस के नये स्वरूप को लेकर भी कोई समस्या नहीं है। ग्राम पंचायतों की 22 और 27 दिसंबर को होने वाले चुनावों की चर्चा करते हुए श्री येदियुरप्पा ने कहा कि भारतीय जनता पार्टी समर्थित 95 प्रतिशत उम्मीदवार जीत हासिल करेंगे।

2.3 ट्रिलियन डॉलर का खर्च संबंधी पैकेज जारी

ट्रंप ने किए कोरोना राहत पैकेज पर हस्ताक्षर

वाशिंगटन ■ एजेंसी

अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने काफी बहानेबाजी के बाद कोरोना वायरस राहत एवं खर्च विधेयक पर अंततः हस्ताक्षर कर दिया है। करीब 2.3 ट्रिलियन डॉलर के इस पैकेज के जारी होने से अब सरकार के ठप होने और कोरोना महासंकट के बीच आर्थिक सहायता रुकने का खतरा खत्म हो गया है। इसमें 900 बिलियन डॉलर का कोराना राहत पैकेज है। उधर, इस बिल को नाकाफी बताते हुए अमेरिकी भड़क उठे हैं। उनका कहना है कि इससे केवल ब्रेड आएगी।

इससे पहले ट्रंप ने साल के अंत वाले कोविड राहत एवं खर्च विधेयक पर हस्ताक्षर करने से इनकार कर दिया था। इससे अपनी रोजमर्रा की जरूरतों के लिए संघर्ष कर रहे लाखों अमेरिकी लोगों को मिलने वाला बेरोजगारी भत्ता लाभ शनिवार आधी रात से बंद हो गया। माना जा रहा था कि ट्रंप इस पर हस्ताक्षर कर ही देंगे लेकिन अचानक उन्होंने इसपर आपत्तियां जतानी शुरू कर दीं।

ट्रंप ने कोविड राहत में अधिक राशि की मांग करते हुए तथा इस संबंध में अन्य सवाल उठाते हुए द्विपक्षीय पैकेज पर हस्ताक्षर करने से इनकार कर दिया था। विधेयक में अधिकतर अमेरिकियों के लिए 600 डॉलर के भुगतान के प्रावधान का प्रस्ताव है, लेकिन ट्रंप ने कहा कि वह संसद से इसमें संशोधन करने और 'एक दंपती के लिए 600 डॉलर की अत्यंत कम राशि को बढ़ाकर 2,000 या 4,000 डॉलर करने को कहेंगे।'

बाइडन ने ट्रंप पर 'जिम्मेदारी नहीं निभाने' का आरोप लगाया: हालांकि ऐसा हुआ नहीं और ट्रंप को बिल पर हस्ताक्षर करना पड़ा। इससे पहले व्हाइट हाउस के रिपब्लिकन सदस्यों के यह आश्वासन देने के बाद कि ट्रंप बिल पर हस्ताक्षर करेंगे, इसे संसद के दोनों सदनों ने मंजूरी दे दी थी।

ट्रंप ने मंगलवार रात ट्वीट किए गए एक वीडियो में कहा था कि बिल में विदेशों को बहुत अधिक धन देने की बात की गई है, लेकिन इसमें अमेरिकियों के लिए पर्याप्त धन की व्यवस्था नहीं है। उधर, नवनिर्वाचित राष्ट्रपति जो बाइडन ने ट्रंप से इस विधेयक पर तुरंत हस्ताक्षर करने को कहा था। बाइडन ने कहा, 'राष्ट्रपति ट्रंप के आर्थिक राहत विधेयक पर हस्ताक्षर करने से इनकार करने के कारण लाखों लोगों को अब यह नहीं पता कि उनकी बुनियादी जरूरतें पूरी हो भी पाएंगी या नहीं।उन्होंने ट्रंप पर 'जिम्मेदारी नहीं निभाने' का आरोप लगाया और कहा कि इसके परिणाम 'विनाशकारी' हैं।

जयशंकर ने कतर के अमीर शेख तमीम से मुलाकात की

दोहा ■ एजेंसी

विदेश मंत्री एस. जयशंकर ने सोमवार को कतर के अमीर शेख तमीम बिन हमद अल-थानी से मुलाकात की और दोनों देशों के बीच आर्थिक एवं सुरक्षा सहयोग मजबूत करने पर चर्चा की। जयशंकर रविवार को दो दिवसीय दौरे पर दोहा पहुंचे जो विदेश मंत्री के तौर पर उनकी पहली खाड़ी यात्रा है। उन्होंने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी का व्यक्तिगत संदेश शेख तमीम को सौंपा।

जयशंकर ने ट्वीट किया द्धकि कतर के अमीर तमीम बिन हमद से मुलाकात की। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी का निजी संदेश उन्हें सौंपा। भारतीय समुदाय के प्रति महामहिम की गर्मजोशी भरी भावनाओं की कद्र करता हूं। अपनी भागीदारी को नये स्तर पर ले जाने के उनके विचार से प्रभावित हूं। जयशंकर ने अमीर के पिता शेख हमद बिन खलीफा अल-थानी से भी मुलाकात की, जिन्होंने 2013 में सत्ता अपने बेटे शेख तमीम को सौंप दी थी। मंत्री ने ट्वीट किया कि उनके पिता अमीर शेख हमद बिन खलीफा अल-थानी से मुलाकात हुई। उनके नेतृत्व से भारत-कतर संबंधों को सतत दिशा मिल रही है। वैश्विक एवं क्षेत्रीय प्रगति पर उनकी दृष्टि की सराहना करता हूं। उन्होंने प्रधानमंत्री खालिद बिन खलीफा बिन अब्दुलअजीज अल थानी से भी मुलाकात की, जो खाड़ी देश के गृह मंत्री भी हैं। जयशंकर ने ट्वीट किया, ''कतर में भारतीय समुदाय के लोगों की कोविड-19 महामारी के दौरान देखभाल के लिए उन्हें धन्यवाद दिया। उन्होंने कहा कि अपने द्विपक्षीय आर्थिक एवं सुरक्षा सहयोग को मजबूत करने पर चर्चा की। महामारी के दौरान भारत और कतर के बीच उच्चस्तरीय संपर्क बना रहा। जयशंकर ने रविवार को कतर में उद्यमियों से मुलाकात की थी और भारत में निवेश के अवसरों पर चर्चा की थी। जयशंकर ने देश में भारतीय समुदाय के लोगों के साथ डिजिटल वार्ता से पहले कतर के नेशनल म्यूजियम का भी दौरा किया। कतर में करीब सात लाख भारतीय रहते हैं। सरकारी आंकड़े के मुताबिक दोनों देशों के बीच 2019-20 में द्विपक्षीय व्यापार 10.95 अरब डॉलर था।

आर्थिक और सुरक्षा संबंधों पर की चर्चा

बर्फ में ढकी मनाली की वादियां

हिमाचल प्रदेश के मनाली में सोमवार को हुए ताजे हिमपात के बाद क्षेत्र ने सफेद चादर ओढ़ ली।

कांग्रेस स्थापना दिवस के पूर्व ही राहुल की विदेश यात्रा को लेकर उठे सवाल

नई दिल्ली, (एजेंसी)। कांग्रेस पार्टी सोमवार को अपना 136वां स्थापना दिवस मना रही है, लेकिन इस बीच पार्टी के पूर्व अध्यक्ष राहुल गांधी निजी विदेश यात्रा पर इटली के लिए निकल गए हैं। खबर सामने आने के बाद से ही राहुल गांधी राजनीतिक गलियारों से लेकर सोशल मीडिया तक चर्चा का विषय बने हुए हैं। एक तरफ कांग्रेस पार्टी राहुल गांधी की विदेश यात्रा पर सफाई दे रही है, तो दूसरी तरफ बीजेपी के नेता और सोशल मीडिया यूजर्स राहुल की इस यात्रा पर चुटकी ले रहे हैं। कांग्रेस पार्टी के पूर्व प्रवक्ता संजय झा ने भी राहुल गांधी की इस यात्रा को लेकर सवाल उठाए हैं। उन्होंने कहा कि ऐसी गलतियों का खामियाजा पार्टी को आगे उठाना पड़ सकता है।

पार्टी के लिए विजन बनाने में सफल नहीं राहुल गांधी

कांग्रेस पार्टी से निलंबित चल रहे और पूर्व प्रवक्ता संजय झा ने सीएनएन-न्यूज 18 को एक इंटरव्यू दिया जिसमें उन्होंने कहा कि पार्टी के कई वरिष्ठ नेता काफी समय से गायब हैं। राजनीतिक अनुभव के बाद राहुल गांधी कांग्रेस पार्टी और देश के लिए विजन बनाने में सफल नहीं हो पाए हैं। पार्टी के शीर्ष नेतृत्व में बदलाव की इच्छा का अभाव है। शीर्ष नेतृत्व जिस तरह से गलतियां कर रहा है, इसका खामियाजा पार्टी को आगे भुगतना पड़ सकता है।

कांग्रेस एक महान पार्टी, लेकिन असर खो दिया

इसके अलावा संजय झा ने इस बारे में ट्वीट भी किया। उन्होंने लिखा - यह एक महान पार्टी है, लेकिन इसने अपना असर खो दिया है। एक सच्चे कांग्रेसी को इसे पुनर्जीवित करने के लिए काम करना चाहिए। वह निर्देशों का इंतजार न करें.. बस इसे करें...आज...अभी।

केरल में चाइल्ड पोर्न केस में डॉक्टर-आईटी पेशेवर सहित 41 गिरफ्तार

ऑपरेशन पी-हट में 46 स्थानों पर छापे, 339 पर केस

नई दिल्ली ■ एजेंसी

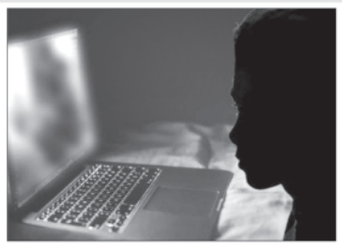

'चाइल्ड पोर्न' से जुड़े मामले लगातार सामने आ रहे हैं। अभी पिछले महीने ही यूपी के चित्रकूट से 50 बच्चों का यौन शोषण करने के आरोप में सीबीआई ने एक जूनियर इंजीनियर को गिरफ्तार किया था अब केरल पुलिस ने बड़ी कार्रवाई की है। यहां हुए चाइल्ड पोर्नोग्राफी देखने और इसे इंटरनेट पर साझा करने के आरोप में एक डॉक्टर और आईटी पेशेवरों सहित 41 लोगों को गिरफ्तार किया गया है। पुलिस ने इस 'ऑपरेशन पी-हंट' के लिए इंटरपोल के साथ हाथ मिलाया था। इसी के मद्देनजर पुलिस टीम ने केरल में 46 स्थानों पर छापे मारे और सोमवार को 339 मामले दर्ज किए। आरोपी डॉक्टर को पठानमथिट्टा जिले से हिरासत में लिया गया।

कई घंटों में पूरा हुआ ऑपरेशन

जिन लोगों को गिरफ्तार किया गया, उन पर चाइल्ड पोर्नोग्राफी कंटेंट डाउनलोड करने के साथ-साथ वेब और सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म पर इसे पोस्ट करने का आरोप है। इस मामले में त्रिशूर पुलिस ने 30 वर्षीय आशिकी को व्हाट्सएप पर चाइल्ड पोर्नोग्राफी साझा करने के आरोप में गिरफ्तार किया। इसी मामले में त्रिशूर के वडक्कुकेकाड के एक अन्य व्यक्ति इकबाल को गिरफ्तार किया गया। पूरे ऑपरेशन का समन्वय अतिरिक्त पुलिस महानिदेशक मनोज अब्राहम ने कई घंटों में किया। अब्राहम ने मीडिया को बताया, कि आईटी पेशेवर और एक चिकित्सक सहित कई पेशेवर, चाइल्ड पोर्नोग्राफी देख रहे थे और फैला रहे थे और पुलिस कई दिनों से मामले की निगरानी कर रही थी।

महाराष्ट्र सरकार गिराने के लिए बीजेपी का मुझ पर भारी दबाव : संजय राउत

मुंबई ■ एजेंसी

शिवसेना के सांसद संजय राउत ने दावा किया गया है कि पिछले एक साल से, भाजपा के कुछ वरिष्ठ नेता उन्हें सीएम उद्धव ठाकरे की अगुवाई वाली महा विकास अघाड़ी (एमवीए) सरकार को गिराने के लिए मजबूर कर रहे हैं। राउत ने कहा कि कुछ वरिष्ठ नेता मुझसे मिल कर एमवीए को समर्थन नहीं देने के लिए मुझे समझाने की लगातार कोशिश में लगे हैं। उन्होंने सरकार गिराने की पूरी तैयारी कर ली है।

उन्होंने मुझे राकांपा व शिवसेना के 22 विधायकों की सूची भी दिखाई है, जिन पर आपराधिक मामले दर्ज किए जा सकते हैं। एक सनसनीखेज खुलासे में शिवसेना सांसद राउत ने सोमवार को दावा किया कि बीजेपी महाराष्ट्र सरकार गिराने के लिए कुछ भी कर सकती है। उन्होंने कहा कि मेरे पास भाजपा की फाइल है, जिसमें 121 लोगों के नाम शामिल हैं। मैं जल्द इसे ईडी को सौंपूंगा। दरअसल ईडी ने संजय राउत की पत्नी को एक मामले में तलब किया था, जिसके बाद उनका ये बड़ा बयान सामने आया है। 'मेरी पत्नी शिक्षिका हैं, भाजपा के नेताओं की तरह हमारी संपत्ति बढ़कर 1600 करोड़ रुपये नहीं हो गई है।

कृषि कानून के विरोध में पंजाब में 1,500 मोबाइल टावर तोड़े गए

किसानों का गुस्सा जियो के टावरों पर निकला

चंडीगढ़, (एजेंसी)। तीन कृषि कानूनों का विरोध कर रहे किसानों ने पंजाब में 1,500 से अधिक मोबाइल टावर तोड़े हैं, जिससे कुछ क्षेत्रों में दूरसंचार सेवाएं प्रभावित हुई हैं। सूत्रों ने सोमवार को यह जानकारी दी।

किसानों का मानना है कि नए कृषि कानूनों से अरबपति उद्योगपतियों मुकेश अंबानी और गौतम अडाणी को सबसे अधिक फायदा होगा। इसलिए उनका गुस्सा मुकेश अंबानी की कंपनी जियो के मोबाइल टावरों पर निकल रहा है। राज्य में कई हिस्सों में इन टॉवरों को बिजली की आपूर्ति रोक दी गई है और साथ ही केबल भी काट दी गई है। हालांकि, अंबानी का रिलायंस समूह और अडाणी की कंपनियां किसानों से अनाज खरीदने के कारोबार में नहीं हैं। मामले की जानकारी रखने वाले एक सूत्र ने कहा कि रविवार तक 1,411 टावरों को नुकसान पहुंचाया गया था। सोमवार को यह आंकड़ा 1,500 के पार हो गया है।

जालंधर में जियो की फाइबर केबल के कुछ बंडल भी जला दिए गए हैं। राज्य में जियो के 9,000 से अधिक टावर हैं। एक अन्य सूत्र ने कहा कि टावर को नुकसान पहुंचाने का सबसे आम तरीका बिजली की आपूर्ति काटना है। एक मामले में टावर साइट पर जेनरेटर को लोग उठाकर ले गए और उसे एक स्थानीय गुरुद्वारे में दान कर दिया।

कुछ जियो कर्मचारियों को धमकाने और उनके भागने का वीडियो भी वायरल है। पंजाब के मुख्यमंत्री कैप्टन अमरिंदर सिंह ने शुक्रवार को आंदोलनकारी किसानों से अपील की थी कि वे ऐसा कोई कदम नहीं उठाएं जिससे आम लोगों को परेशानी हो। सूत्रों ने कहा कि राज्य पुलिस ने टावर तोड़ने वाले लोगों के खिलाफ कोई कार्रवाई नहीं की है और ज्यादातर मामलों में कोई प्राथमिकी दर्ज नहीं हुई है।

असम में सरकारी मदरसों को बंद करने वाला बिल पेश

गुवाहाटी, (एजेंसी)। असम में 2021 विधानसभा चुनाव को देखते हुए सत्ताधारी भाजपा ने एक बड़ा दांव चला है। राज्य की सर्वानंद सोनोवाल सरकार ने एक अप्रैल 2021 से सभी सरकारी मदरसों को बंद करने और उन्हें स्कूलों में बदलने से जुड़ा बिल सोमवार को विधानसभा में पेश किया।

विपक्ष की आपत्ति के बावजूद शिक्षा मंत्री हेमंत बिस्व सरमा ने विधानसभा के तीन दिवसीय शीतकालीन सत्र के पहले दिन असम निरसन विधेयक, 2020 को पेश किया। विधेयक में दो मौजूदों कानूनों असम मदरसा शिक्षा (प्रांतीयकरण) कानून, 1995 और असम मदरसा शिक्षा (कर्मचारियों की सेवा का प्रांतीयकरण और मदरसा शिक्षण संस्थानों का पुनर्गठन) कानून, 2018 को निरस्त करने का प्रस्ताव दिया गया है।

शर्मा ने कहा, 'विधेयक निजी मदरसे पर नियंत्रण और उनको बंद करने के लिए नहीं है। उन्होंने कहा कि विधेयक के लक्ष्यों और उद्देश्यों के बयान में 'निजी' शब्द गलती से शामिल हो गया। उन्होंने कहा कि सभी मदरसे उच्च प्राथमिक, उच्च और माध्यमिक स्कूलों में बदले जाएंगे और शिक्षक और गैर शिक्षण कर्मियों के वेतन, भत्ते और सेवा शर्तों में कोई बदलाव नहीं होगा।

समुद्र पर्यटन **पर्यावरण मंत्री प्रकाश जावडेकर ने देश के आठ समुद्र तटों पर 'ब्लू फ्लैग' लगाया**

चार साल में सौ समुद्र तट बनेंगे 'ब्लू फ्लैग'

नई दिल्ली ■ एजेंसी

पर्यावरण, वन एवं जलवायु परिवर्तन मंत्री प्रकाश जावडेकर ने सोमवार को देश के आठ समुद्र तटों पर 'ब्लू फ्लैग' लगाया तथा कहा कि अगले तीन-चार साल में एक सौ और समुद्र तटों को 'ब्लू फ्लैग' बनाया जाएगा।

श्री जावडेकर ने वर्चुअल कार्यक्रम में केरल के काप्पड़, गुजरात के शिवराजपुर, दीव के घोघला, कर्नाटक के कासरकोड़ तथा पडुबिरी, आँध्र प्रदेश के रुशिकोंडा, ओडिशा के गोल्डेन और अंडमान एवं निकोबार के राधनगर समुद्र तटों पर 'ब्लू फ्लैग' फहराया। इस कार्यक्रम में पर्यावरण, वन एवं जलवायु परिवर्तन राज्य मंत्री बाबुल सुप्रियो तथा मंत्रालय के कई वरिष्ठ अधिकारी भी शामिल थे। इन समुद्र तटों को 'फाउंडेशन फॉर इनवायरनमेंट एजुकेशन इन डेनमार्क' द्वारा गत 06 अक्टूबर को अंतर्राष्ट्रीय ब्लू फ्लैग प्रमाणन मिला था। डेनमार्क के कोपनहेगन में अंतर्राष्ट्रीय जूरी ने इसकी घोषणा की थी। ब्लू फ्लैग प्रमाणन उन समुद्र तटों को दिया जाता है जो स्वच्छता और जनसुविधाओं के 33 मानकों पर खरे उतरते हैं। पर्यावरण मंत्री ने कहा कि अगले तीन-चार साल में सौ और समुद्र तटों को 'ब्लू फ्लैग' के स्तर का बनाया जाएगा। इसके लिए समुद्र तटों के आसपास हर व्यक्ति को सफाई रखनी होगी।

साफ और स्वच्छ समुद्र तट अच्छे तटीय पर्यावरण का भी संकेत

समुद्र तटों की सफाई को जनांदोलन का रूप दिया जाना जरूरी है। उन्होंने कहा कि दुनिया में अधिकतर पर्यटन समुद्र तटों पर होता है। समुद्र तटों को ब्लू फ्लैग दर्जा मिलने से ज्यादा संख्या में वहाँ पर्यटक आएंगे। जिन आठ समुद्र तटों पर सोमवार को ब्लू फ्लैग लगाया गया, श्री जावडेकर ने वहाँ की राज्य सरकारों और केंद्र सरकार के प्रयासों की सराहना की। उन्होंने कहा कि साफ और स्वच्छ समुद्र तट अच्छे तटीय पर्यावरण का भी संकेत देते हैं।

चीन में 10 लोगों के खिलाफ सुनवाई शुरू, अवैध तरीके से सीमा पार करने का आरोप

बीजिंग, (एजेंसी)। हांगकांग में अभिव्यक्ति की स्वतंत्रता को दबाने के चीन के प्रयासों के बीच हांगकांग से एक नौका में सवार होकर भागने की कोशिश के संबंध में 10 लोगों पर दर्ज मामले की सुनवाई सोमवार को चीन में शुरू हो गई।

हांगकांग नौका मामला

शेनझेन में जारी अभियोग पत्र के अनुसार बचाव पक्ष पर अवैध तरीके से सीमा पार करने के आरोप हैं जबकि दो पर इसके लिए योजना बनाने के अतिरिक्त आरोप हैं। शेनझेन में यानतिआन डिस्ट्रिक्ट पीपुल्स कोर्ट ने बताया कि सोमवार दोपहर में सुनवाई शुरू हुई और अभी यह चल रही है। चीन के अदालतों के कर्मियों के बीच आम है। हांगकांग की सीमा के ठीक पार शेनझेन शहर है।

पीडब्ल्यूडी मंत्री ने 23.47 करोड़ रुपए की लागत से बनने वाले चौगिट्टी-लद्देवाली आरओबी के निर्माण कार्य का रखा नींव-पत्थर, शाहकोट में 3.71 करोड़ रुपए की लागत से तैयार सड़क जनता को समर्पित की

■ जालंधर/ब्यूरो

कहा, जालंधर में 25 करोड़ रुपए की लागत से 58 विकास कार्यों को सिरे चढ़ाएगा पीडब्ल्यूडी डिपार्टमेंट, पंजाब में 27 रेलवे क्रासिंग पर आरओबी बनाने पर चल रहा है काम

विभाग को तलहण रोड के लिए प्रपोजल तैयार करने के निर्देश दिए, साथ ही कपूरथला रोड और नाहला गांव में 40 लाख रुपए की लागत से बनने वाले पुल की घोषणा की

पंजाब के पीडब्ल्यूडी मंत्री विजय इंद्र सिंगला ने मंगलवार को चौगिट्टी-लद्देवाली रेलवे ओवरब्रिज के निर्माण कार्य का नींव पत्थर रखा, जोकि 23.47 लाख रुपए की लागत से तैयार किया जाएगा। सांसद संतोख चौधरी, विधायक राजिंदर बेरी, विधायक सुशील रिंकू, मेयर जगदीश राज राजा की मौजूदगी में मंत्री विजय इंद्र सिंगला ने आरओबी का नींव पत्थर रखने के बाद मीडिया से बातचीत में कहा कि पंजाब में लगभग 27 रेलवे क्रासिंग पर आरओबी बनाने के प्रोजेक्ट्स पर काम चल रहा है। इन प्रोजेक्ट्स से लोगों को बड़ी राहत मिलेगी।

चौगिट्टी-लद्देवाली आरओबी पर उन्होंने कहा कि इस प्रोजेक्ट से डायरेक्टर तौर पर एक लाख से ज्यादा लोगों को फायदा होगा, जोकि जालंधर-पठानकोट व जालंधर-होशियारपुर रोड के आसपास रहते हैं। उन्होंने इस आरओबी का निर्माण कार्य जल्द से जल्द शुरू करवाने के लिए विधायक राजिंदर बेरी की प्रशंसा की, जिन्होंने सभी विभागों से बेहद कम समय में एनओसी लेकर आरओबी का काम शुरू करवा दिया है। उन्होंने बताया कि 12 मीटर चौड़े इस आरओबी का काम लगभग 18 महीने में पूरा कर दिया जाएगा और टेंडर जालंधर की ही फर्म मैसर्ज एसोसिएटेड इंजीनियर, मकसूदां को दिया गया है। उन्होंने कहा कि पीडब्ल्यूडी डिपार्टमेंट की तरफ से जालंधर में 25 करोड़ रुपए की लागत से 58 विकास कार्य किए जा रहे हैं, जोकि चुनाव से पहले खत्म करके प्रोजेक्ट जनता को समर्पित किए जाएंगे।

इस दौरान उन्होंने बताया कि विभाग के वरिष्ठ अधिकारियों को तलहण रोड का प्रपोजल तैयार करके पेश करने के लिए कहा गया है ताकि इस कार्य को भी जल्द से जल्द शुरू किया जा सके।

पीडब्ल्यूडी मंत्री ने कार्यक्रम के दौरान वेस्ट विधानसभा हलके में कपूरथला रोड और नाहला गांव में नहर पर 40 लाख रुपए से पुल बनाने की मांग को मंजूरी देते हुए कहा कि जल्द ही यहां काम शुरू करवा दिया जाएगा।

इसके अलावा हलके में जल्द ही दो नए स्कूल बनाने का काम भी शुरू किया जाएगा। पुलिस कमिश्नर गुरप्रीत सिंह भुल्लर, एसडीएम राहुल सिंधू, कांग्रेस के जिला शहरी प्रधान बलदेव सिंह देव व हलके के विभिन्न पार्षद मौजूद थे। उधर, हलका शाहकोट में 3.75 किलोमीटर लंबी व दस मीटर चौड़ी सड़क जोकि 3.71 करोड़ रुपए की लागत से तैयार की गई है, वह जनता को समर्पित की।

इस सड़क का निर्माण कार्य जुलाई महीने में शुरू किया गया था, जोकि निर्धारित छह महीने में पूरा कर लिया गया। कार्यक्रम को संबोधित करते हुए मंत्री विजयइंदर सिंगला ने कहा कि इसके अलावा गोहीर-नकोदर-मल्सीयां के शहरी इलाकों की सड़कों की मरम्मत का कार्य भी किया जा चुका है। गोहीर सड़क की मरम्मत पर 51 लाख रुपए, नकोदर की सड़क को 77 लाख रुपए और मलसीयां की शहरी सड़क की मरम्मत के लिए 42 लाख रुपए खर्च किए गए हैं। इस मौके पर हलका विधायक हरदेव सिंह लाड्डी शेरोंवालिया समेत कई प्रमुख गणमान्य मौजूद थे।

पंजाब चिकित्सा शिक्षा एवं अनुसंधान विभाग ने महामारी के दौरान मैडीकल केयर ढांचे का किया नवीनीकरण

■ चंडीगढ़/ब्यूरो

पंजाब चिकित्सा शिक्षा एवं अनुसंधान विभाग द्वारा कोविड-19 के विरुद्ध लड़ाई में बुनियादी ढांचे के निर्माण के लिए शानदार काम किया गया। पटियाला, अमृतसर और फ़रीदकोट के तीन सरकारी मैडीकल कॉलेज, 1494 आइसोलेशन बैड और 374 आईसीयू डीएचयू बिस्तरों समेत 3711 बिस्तर प्रदान करके तैयारियों में अग्रणी रहे, जिनकी संख्या में और वृद्धि की जा सकती है। 10,000 से अधिक कोविड-19 पॉज़िटिव मरीज़ आइसोलेशन वार्डों में दाख़िल हुए और 8500 से अधिक मरीज़ों को ठीक होने के उपरांत छुट्टी दे दी गई है। इस सम्बन्धी जानकारी देते हुए चिकित्सा शिक्षा एवं अनुसंधान मंत्री श्री ओम प्रकाश सोनी ने बताया कि तीन सरकारी मैडीकल कॉलेजों में कोविड-19 पॉजिटिव मरीज़ों के लिए समर्पित लेबर रूम और आइसोलेशन वार्ड स्थापित किए गए हैं। विभाग ने कोविड-19 स्थिति के प्रबंधन के लिए उपलब्ध सुविधाओं की पहचान करने और ज़रूरत पड़ने पर उनको अतिरिक्त स्रोत मुहैया करवाने के लिए 76मापदंडों के पैमाने पर तकरीबन 250 निजी अस्पतालों का व्यापक सर्वेक्षण किया।

राज्य सरकार द्वारा कोविड-19 महामारी के प्रबंधन के लिए सूपर स्पैशलिस्ट और माहिर डॉक्टरों, नर्सों और अन्य पैरामैडिक्स के 1822 पद विशेष तौर पर मंज़ूर किए गए। एक माहिर समूह राज्य में तीसरे दर्जे की सेवाओं की नियमित रूप से निगरानी करता है।

राज्य में टेस्टिंग में तेज़ी लाने के लिए आरटी-पीसीआर टेस्टिंग के लिए प्रतिदिन 26,500 टैस्टों की सामर्थ्य वाली सात लैबें स्थापित की गई हैं। अब तक कुल 27,34, 826टैस्ट किए जा चुके हैं।

श्री सोनी ने कहा कि जीएमसीएस पटियाला, अमृतसर और फरीदकोट में तीन प्लाज्मा बैंक स्थापित किए गए हैं। इन जी.एम.सी.एस. की सहायता के साथ पंजाब भर में प्लाज्मा के 158यूनिट एकत्रित किए गए। प्लाज्मा निजी अस्पतालों द्वारा मुफ्त प्रदान किया गया और महामारी के दौरान ओपीडीज़ कार्यशील रहे। सभी प्रक्रियाओं के दौरान मानक संचालन प्रक्रियाओं (एसओपीज़) की पालना की गई।

कैबिनेट मंत्री ने कहा कि मैडीकल कॉलेज, पटियाला में स्थित सूपर स्पैशलिटी ब्लॉक को भारत सरकार की नए और नवीकरणीय ऊर्जा मंत्रालय के अधीन ग्रीन रेटिंग इंटीग्रेटिड हैबीटैट असेसमेंट (जीआरआईएचए) द्वारा 'थ्री स्टार' प्रोवीज़नल वी3.1 रेटिंग दी गई है।

सी.आई.ए. स्टाफ -1 जालंधर पुलिस ने एक व्यक्ति को 25 ग्राम हैरोइन के साथ पकड़ा

■ जालंधर/रवि

सी.आई.ए. स्टाफ -1 जालंधर पुलिस ने गुप्त सूचना के आधार पर लिंक रोड अबादपुरा नजदीक शींगारा हस्पताल पर नाकेबंदी दौरान एक व्यक्ति को मोटरसाइकिल नंबर पीबी 08 इ.के 2046 पर सवार होकर आ रहा था तभी वह पुलिस को देख कर पीछे की तरफ जाने लगा तभी उसको काबू कर उसकी तलाशी लेने पर उसके पास से 25 ग्राम हैरोइन बरामद हुई। पुलिस की सख्ती से पूछताछ करने पर उसने अपना नाम सूरज कुमार पुत्र राकेश कुमार वासी घुमेआरा वाली गली रामदास तीहसील अजनाला अमृतसर वासी अभी वह राज नगर नजदीक शमशानघाट बस्ती बावाखेल में रह रहा है। दोषी पर मुकदमा नंबर 337 तीथी 24.12.2020 अधीन 21/61/ 85 एन.डी.पी.एस एक्ट पुलिस डिविजन नंबर 6 जालंधर में दर्ज किया गया है ।

साल 2020 के दौरान पंजाब ने ग्रामीण क्षेत्रों में खुले में शौच मुक्त होने का लक्ष्य किया हासिल

'हर घर सफाई, हर घर पानी' का लक्ष्य 2021 में पूरा करने की कोशिश

■ चंडीगढ़/ब्यूरो

पंजाब सरकार के जल सप्लाई और सेनिटेशन विभाग ने साल 2020 में कोरोना के बावजूद लोगों को साफ पानी और सेनिटेशन की सहूलतों में कोई कमी नहीं आने दी। कोविड पाबंदियों के बावजूद जहाँ कई लक्ष्य पूरे कर लिए गए वहीं आने वाले साल में और भी प्राप्तियाँ करने की कोशिश की तरफ कदम तेजी से बड़ा दिए गए हैं। अधिक जानकारी देते हुये एक प्रवक्ता ने बताया कि साल 2021 की शुरुआत में ही विभाग को एक राष्ट्रीय स्तर के इनाम से सम्मानित किया जा रहा है।

अमृतसर जिले के ग्रामीण क्षेत्रों में पीने योग्य पानी की समस्या को दूर करने के लिए किये जा रहे विशेष उपरालों के लिए भारत के नामी 'सकौच ग्रुप' की तरफ से 16जनवरी, 2021 को सम्मान दिया जायेगा। इसके अलावा स्व%छ भारत मिशन (ग्रामीण) के अंतर्गत जल शक्ति मंत्रालय, भारत सरकार की तरफ से करवाए गए 'स्व%छता दर्पण - 2020' प्रतियोगिता में जिला मोगा और एस.ए.एस. नगर ने देश भर में से पहला स्थान प्राप्त किया। इस प्रतियोगिता का मुख्य उद्देश्य गाँवों में खुले में शौच न करने की स्थिति को बनाये रखना, ठोस और तरल कूड़े के प्रबंधन के बारे गाँवों में जागरूकता फैलाना था।

आर्थिक तौर पर कमजोर बेटियों को दिया 39 करोड़ रुपए का 'आशीर्वाद'

साल 2020 के दौरान 19082 बेटियों को विवाह के मौके पर दी वित्तीय सहायता

■ चंडीगढ़/ब्यूरो

पंजाब सरकार ने साल 2020 के दौरान राज्य की आर्थिक तौर पर कमजोर 19082 बेटियों को उनके विवाह के मौके पर 39 करोड़ रुपए का 'आशीर्वाद' दिया है। पंजाब के सामाजिक न्याय, अधिकारिता और अल्पसंख्यक मंत्री स. साधु सिंह धर्मसोत ने बताया कि साल 2020 के दौरान आशीर्वाद स्कीम के अंतर्गत अनुसूचित जातियों की 10873 बेटियों को 22 करोड़ रुपए जबकि पिछड़ी श्रेणियों/आर्थिक तौर पर कमजोर वर्गों की 8209 बेटियों को 17 करोड़ रुपए की वित्तीय सहायता उनके विवाह के मौके पर प्रदान की गई। मंत्री ने बताया कि वर्तमान साल के दौरान राज्य सरकार ने अपने स्तर पर शुरू की नयी डा. बी.आर.अम्बेदकर एस.सी. पोस्ट मैटिक स्कॉलरशिप स्कीम 27 अक्तूबर, 2020 को अधिसूचित की जो अकादमिक सैशन 2020-21 से लागू हो गई है। यह स्कीम पंजाब राज्य के निवासी अनुसूचित जातियों से सम्बन्धित वर्ग, जिन्होंने पंजाब राज्य और चण्डीगढ़ से मैट्रिक की हो, के लिए लागू होगी। इस स्कीम के अंतर्गत लाभ लेने के लिए आय सीमा (माता-पिता दोनों की आय) 2.50 लाख रुपए से बड़ा कर 4 लाख रुपए कर दी गई है। इस स्कीम के अंतर्गत लाभ देने का दायरा पंजाब और चण्डीगढ़ केंद्रीय और राज्य स्तरीय सरकारी उच्च शिक्षा संस्थाओं तक बड़ा दिया गया है।

इसी तरह साल 2020 के दौरान केंद्र सरकार की तरफ से बंद की पोस्ट मैट्रिक स्कॉलरशिप फार एससी स्कीम के अंतर्गत 309.21 करोड़ रुपए 2016-17 तक का बैकलॉग क्लियर करने के लिए प्राप्त हुए थे। यह राशि बाँटने का काम प्रगति अधीन है, जो जल्द ही मुकम्मल कर लिया जायेगा।

नई डा. बी.आर. अम्बेदकर एस.सी. पोस्ट मैट्रिक स्कॉलरशिप स्कीम की लागू

स. धर्मसोत ने बताया कि केंद्र सरकार की सहायता से अल्पसंख्यक वर्ग से सम्बन्धित विद्यार्थियों को लाभ देने के लिए तीन स्कीमें प्री मैट्रिक स्कीम, पोस्ट मैट्रिक स्कॉलरशिप स्कीम और मेरिट कम मीन्स बेस्ड स्कॉलरशिप आदि चलाई जा रही हैं।

साल 2020 के दौरान प्री-मैट्रिक स्कॉलरशिप स्कीम फार माइन्योरिटी के अंतर्गत 4,68,622 विद्यार्थियों को 76.14 करोड़ रुपए, पोस्ट मैट्रिक स्कॉलरशिप फार माइन्योरिटी स्कीम के अंतर्गत 56,664 विद्यार्थियों को 30.18करोड़ रुपए और मेरिट कम मीन्स बेस्ड स्कॉलरशिप स्कीम के अंतर्गत 2404 विद्यार्थियों को 6.45 करोड़ रुपए की वजीफा राशि डी.बी.टी. मोड के द्वारा अदा की गई।

सामाजिक न्याय मंत्री ने बताया कि साल 2020 के दौरान पंजाब अनुसूचित जातियां भू विकास और वित्त कॉरपोरेशन की तरफ से सेल्फ इम्प्लायमैंट स्कीमों के अधीन 417 लाभपात्रियों को 5.59 करोड़ रुपए के कर्जे समेत सब्सिडी की रकम बांटी गई।

इसी तरह पंजाब पिछड़ी श्रेणियां भू विकास और वित्त कॉरपोरेशन की तरफ से सेल्फ इम्प्लायमैंट स्कीमों के अधीन 228 लाभपात्रियों को 3.91 करोड़ रुपए की राशि बांटी गई।

मैं टीम के लिये और खास तौर पर अजिंक्य रहाणे के लिये बहुत खुश हूं जिसने उम्दा कप्तानी की। यहां से अब आगे और ऊपर जाना है।''- विराट कोहली

SPORTS PLANET स्पोर्ट्स प्लैनट

कोच रवि शास्त्री ने कहा, क्रिकेट इतिहास की सबसे शानदार वापसी में से एक

■ मेलबर्न/ब्यूरो

भारत के मुख्य कोच रवि शास्त्री ने ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ दूसरे टेस्ट में मंगलवार को अपनी टीम की आठ विकेट की जीत को खेल के इतिहास की 'सबसे शानदार वापसी में से एक' करार दिया। भारत को एडीलेड में पहले टेस्ट में शर्मनाक हार का सामना करना पड़ा था। एडीलेड में पहले टेस्ट की दूसरी पारी में टीम के 36 रन पर सिमटने के बाद शास्त्री ने दूसरे टेस्ट में शानदार प्रदर्शन के लिए पूरी टीम की सराहना की और इस दौरान पदार्पण कर रहे शुभमन गिल और मोहम्मद सिराज की विशेष तारीफ की। शास्त्री ने कहा, ''मुझे लगता है कि यह भारतीय क्रिकेट ही नहीं बल्कि विश्व क्रिकेट में खेल के इतिहास की सबसे शानदार वापसी में से एक होगी।''

उन्होंने कहा, ''36 रन पर आउट होने के बाद तीन दिन में हार जाना और फिर इसके बाद पलटवार के लिए तैयार रहना शानदार है। लड़कों ने जो जज्बा दिखाया उसके लिए वे श्रेय के हकदार हैं। यह असली जज्बा है।'' पूर्व भारतीय आलराउंडर शास्त्री का मानना है कि कोविड-19 महामारी से प्रभावित साल में इस तरह की जीत से निश्चित तौर पर भारतीय प्रशंसकों के चेहरे पर खुशी लौटेगी। उन्होंने कहा, ''मुझे लगता है कि यह टीम का दुनिया भर के उसके प्रशंसकों को नए साल का बेहतरीन तोहफा है, नए साल में जाते हुए इससे उनके चेहरों पर खुशी आएगी।'' शास्त्री ने मैच में 45 और नाबाद 35 रन की पारी खेलने वाले गिल और पांच विकेट चटकाने वाले सिराज की जमकर तारीफ की। उन्होंने कहा, ''जब आप देखते हो कि पदार्पण करने वाले दो खिलाड़ियों ने इस तरह जज्बा, अनुशासन और परिपक्वता दिखाई तो यह शानदार लगता है। आज सिराज के आंकड़े शानदार थे।'' शास्त्री ने कहा, ''लंबे स्पैल करते हुए उसने जो अनुशासन दिखाया और वह भी अपने पहले ही टेस्ट में और उमेश की गैरमौजूदगी में उसने जो किया, वह बेजोड़ था।'' गिल के जज्बे और उनके अति रक्षात्मक रवैया नहीं अपनाने से भी शास्त्री काफी प्रभावित दिखे। उन्होंने कहा, ''मुझे लगता है कि पहले टेस्ट खेलते हुए वह (गिल) काफी धैर्यवान और परिवक्व था। वह शॉट खेलने से नहीं डरा जबकि रक्षात्मक रवैया अपनाना आसान थ।

तेंदुलकर, कोहली समेत क्रिकेट जगत ने की मेलबर्न टेस्ट जीतने पर भारतीय टीम की जमकर तारीफ

■ नई दिल्ली/ब्यूरो

सचिन तेंदुलकर और विराट कोहली समेत भारतीय क्रिकेट जगत ने एडीलेड में मिली शर्मनाक हार के बाद मेलबर्न टेस्ट जीतकर ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ वापसी करने वाली भारतीय टीम की तारीफ की। अजिंक्य रहाणे की कप्तानी में भारत ने दूसरा टेस्ट आठ विकेट से जीतकर श्रृंखला में 1-1 से बराबरी की। रहाणे ने मोर्चे से अगुवाई करते हुए पहली पारी में 112 रन बनाये। तेंदुलकर ने ट्वीट किया ,''विराट, रोहित, ईशांत और शमी के बिना टेस्ट जीतना बड़ी उपलब्धि है। टीम इंडिया ने पहले टेस्ट की हार को भुलाकर जो जज्बा दिखाया, वह काबिले तारीफ है। शानदार जीत। शानदार प्रदर्शन टीम इंडिया।'' पहले टेस्ट में कप्तानी के बाद पितृत्व अवकाश पर स्वदेश लौटे कोहली ने कहा ,'' क्या शानदार जीत है। पूरी टीम का शानदार प्रयास। मैं टीम के लिये और खास तौर पर अजिंक्य रहाणे के लिये बहुत खुश हूं जिसने उम्दा कप्तानी की। यहां से अब आगे और ऊपर जाना है।'' ऑस्ट्रेलिया में रिहैबिलिटेशन पूरा कर रहे बल्लेबाज रोहित शर्मा ने ट्वीट किया ,'' एमसीजी पर टीम इंडिया की बेहतरीन जीत। पूरे मैच में खिलाड़ियों का प्रदर्शन शानदार रहा।'' भारत के पूर्व कप्तान बिशन सिंह बेदी ने हालांकि टीम को संयम बनाये रखने की ताकीद की। उन्होंने कहा ,'' 36 रन पर आउट हो जाना भयानक 'अस्थिरता' का परिचायक था लेकिन आठ विकेट से जीत

शानदार है। उम्मीद है कि भारतीय टीम दोनों को भुला देगी। एक बुरे सपने जैसा था और दूसरा बुलंदी के आसमान पर पहुंचने जैसा। अभी दो टेस्ट और बाकी है। काम पूरा नहीं हुआ तो अपने कप्तान अजिंक्य रहाणे की तरह शांतचित्त रहो टीम इंडिया और सोचो कि आस्ट्रेलिया को आगे कैसे हराना है।'' टेस्ट क्रिकेट में पदार्पण करके अच्छा प्रदर्शन करने वाले सलामी बल्लेबाज शुभमन गिल ने लिखा ,'' प्रतिकूल परिस्थितियों में मिली विजय। भारतीय टीम का शानदार प्रदर्शन। सहयोग के लिये सभी प्रशंसकों का धन्यवाद।''

भारत के पूर्व बल्लेबाज वीवीएस लक्ष्मण ने गिल और मोहम्मद सिराज की तारीफ करते हुए कहा ,'' इस जीत से काफी सकारात्मक चीजें निकली। रहाणे की कुशल कप्तानी , गेंदबाजों का अनुशासित प्रदर्शन लेकिन सबसे बड़ी बात दो नये खिलाड़ियों का योगदान। दोनों आत्मविश्वास से भरपूर और बड़े मैच का दबाव नहीं दिखा। भारतीय क्रिकेट की ताकत उसकी मजबूत बेंच स्ट्रेंथ है।'' भारत के पूर्व सलामी बल्लेबाज गौतम गंभीर ने इस प्रदर्शन की तरीफ की। वहीं इरफान पठान ने कहा कि वापसी आसान नहीं होती लेकिन भारतीय टीम ने शानदार वापसी की।

विजय इंदर सिंगला के नेतृत्व में शिक्षा विभाग की कायाकल्प

मिशन फतेह का झंडा बुलंद कर रहा शिक्षा विभाग

■ चंडीगढ़/ब्यूरो

पंजाब सरकार ने चालू वर्ष के दौरान स्कूली शिक्षा की कायाकल्प के लिए विद्यार्थियों को स्मार्ट फ़ोन बाँटने, प्री-प्राईमरी से बारहवीं तक पढ़ने वाले सभी विद्यार्थियों को मुफ़्त शिक्षा देने, स्मार्ट स्कूल बनाने की दिशा की तरफ बड़ी प्रगति करने और अध्यापकों के तकरीबन 15 हजार पद भरने और स्कूली बुनियादी ढांचे में सुधार जैसे अहम कदम उठाए हैं। शिक्षा मंत्री श्री विजय इंदर सिंगला के नेतृत्व में स्कूल शिक्षा विभाग ने सरकारी स्कूलों में बारहवीं में पढ़ने वाले 1.74 लाख विद्यार्थियों को स्मार्ट फ़ोन मुफ़्त मुहैया करवाने के लिए मुहिम आरंभ की है। इसके साथ ही प्री-प्राईमरी से बारहवीं तक सभी विद्यार्थियों को मुफ़्त शिक्षा मुहैया करवाने का क्रांतिकारी फ़ैसला लिया है।

स्कूल शिक्षा विभाग के एक प्रवक्ता के अनुसार चालू वर्ष के दौरान प्री-प्राईमरी शिक्षा के लिए 8393 अध्यापकों के पद भरने के लिए प्रक्रिया आरंभ की गई है। सीधी भर्ती के द्वारा 154 प्रिंसीपलों, 672 मुख्य अध्यापकों, 38 ब्लॉक प्राईमरी शिक्षा अफसरों, 375 सैंटर हैड टीचर्स और 1558 हैड टीचर्स की नियुक्ति की गई है। इसके साथ ही मास्टर काडर की 3704, ईटीटी काडर के 2364 पदों की भर्ती और सीधी भर्ती के द्वारा 173 प्रिंसीपलों, 337 हैडमास्टरों और 75 ब्लॉक प्राईमरी शिक्षा अफसरों की भर्ती की प्रक्रिया आरंभ की गई है।

प्रवक्ता के अनुसार इस साल सरकारी स्कूलों में दाखिले और नतीजों में भी शिक्षा विभाग ने बड़ी उपलब्धि प्राप्त की है। राज्य भर के सरकारी स्कूलों में प्री-प्राईमरी कक्षाओं में 3.30 लाख बच्चों का दाखिला हुआ है। सरकारी स्कूलों में विद्यार्थियों के दाखिलों में इस बार 14.08प्रतिशत की रिकॉर्ड वृद्धि दर्ज की गई है। बोर्ड की बारहवीं कक्षा के मार्च-2020 के नतीजों में 96.95 प्रतिशत पास प्रतिशत के साथ सरकारी स्कूलों ने शानदार प्रदर्शन किया। विभाग ने प्री-प्राईमरी से बारहवीं तक विद्यार्थियों में नैतिक-मुल्यों का विकास करने के लिए नया विषय 'स्वागत ज़िंदगी' शुरू किया गया। इसी दौरान विद्यार्थियों की अंग्रेज़ी भाषा की सामर्थ्य में विस्तार करने के लिए भी कदम उठाए गए हैं। कोविड-19 के कारण हुए लॉकडाउन के दौरान सरकारी स्कूलों के विद्यार्थियों को ऑनलाइन शिक्षा देने के लिए 'पंजाब ऐजूकेयर ऐप' लाँच की गई और विद्यार्थियों को लगातार कोर्स के साथ जोड़े रखा। अध्यापकों ने 'घर बैठे शिक्षा' प्रोग्राम के अंतर्गत ऑनलाइन वीडियो और ऑडियो से क्लासरूम स्थापित करके कोरोना के समय के दौरान भी विद्यार्थियों की पढ़ाई जारी रखी है।

श्री सिंगला के निर्देशों अधीन शिक्षा विभाग द्वारा पहली बार पंजाब उपलब्धि सर्वेक्षण से विद्यार्थियों के सीखने के परिणामों का मुल्यांकन किया गया। इसके साथ ही विद्यार्थियों के ज्ञान में वृद्धि हुई है। विद्यार्थियों को कोर्स के साथ-साथ भविष्य में वज़ीफ़ा और अन्य प्रतियोगी परीक्षाओं की तैयारी के लिए विशेष कोचिंग मुहिम शुरू करवाई। शिक्षा विभाग ने समूह अध्यापकों और कर्मचारियों के सामर्थ्य निर्माण के प्रोग्राम के अंतर्गत ओरिएंटेशन करवाई गई।

Printed, Published & Owner by ATUL SHARMA & Printed at SARANGLE PRINTERS, BASTI GUZAN JALANDHAR (PUNJAB) and Published from ATUL SHARMA, NN-453 GOPAL NAGAR JALANDHAR (PUNJAB)

Editor: ATUL SHARMA*

*Responsible for selection of News under the PRB ACT. PUNHIN/2019/77863, All Rights Reserved. Reproduction in whole or in part without permission is prohibited. All disputes shall be settled at Jalandhar jurisdiction only.